

ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ



श्री राज सत्संग सुधा

ता. १५-२-२०२४
गुरुवार

नाम स्मरण के जप मानवीने पवित्र-सात्विक बनावे ज छे

अेक वात स्पष्ट लागे छे के,

आपणा कोर्य पण एषट देव-देवीनुं नामस्मरण के जप करवाथी मानवीनी मानसिक अने शारीरिक शक्ति केणवाय छे. वैचारिक शक्तिने अेक प्रकारनुं पोषण मणे छे.

जेनाथी मानवीना विचारो उत्तम, उदगतने उदार बने छे. जेम मानवीने डवा, पाणी ने जोराकनी मूणभुत जरियात छे, तेम एषटनुं नामस्मरण ने जप पण मानवीनी मानसिक स्वस्थता माटे जरूरी बनी रडे छे. अे प्रत्ये मानवी वधतुं-ओछुं लक्ष्य आपे के दुर्लक्ष सेवे ते जुदी वात छे, पण नामस्मरण ने जपथी मानवीना मन, वचन ने कर्ममां आपोआप सात्विकता, पवित्रताने निर्मणतानो आविर्भाव थवा मांडे छे, केटलाक अेने वडेला सिद्ध करी शके छे, केटलाक मोडा पण वधते ओछे अंशे मानवीने ते पवित्र अने सात्विक बनावे ज छे ते निःशंक छे.

ॐ मा ॐ

ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ

ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ
ॐ
मा
ॐ

ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ ॐ मा ॐ